



# पीएम मोदी के स्वागत में सज रहा उलिहातू

## बाहर से फिट, अंदर से बिखरा सा दिखता है भगवान बिरसा का गांव

## नेताओं-अफसरों की आवाजाही के बावजूद उदासीन से हैं गांव के लोग

## तमाम शिकायतों के बावजूद मुफ्त राशन मिलने की बात स्वीकार करते हैं

उलिहातू, झारखंड और भारत ही नहीं, दुनिया भर की आदिवासी अस्मिता का प्रतीक वह गांव, जहां 15 नवंबर 1885 को बिरसा मुंडा का जन्म हुआ, जिन्होंने दुनिया भर के आदिवासियों को एक पहचान दी, भारत के आदिवासियों को उल्लुगुलान का नारा दिया और सम्मान से जीने का तरीका सिखाया। आज यह गांव गतिविधियों का केंद्र बना हुआ है, क्योंकि इस बार 15 नवंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

दिल्ली से चल कर यहां आनेवाले हैं और भगवान बिरसा मुंडा को नमन करनेवाले हैं। जब देश के शासन प्रमुख का आगमन हो रहा है, तो स्वाभाविक रूप से इस स्थान का कायाकल्प हो रहा होगा, पुस्तकविहीन लाइब्रेरी और धूल फांकी एंबुलेंस के अलावा

### आजाद सिपाही विशेष

लेकिन उलिहातू मानसिक रूप से उसी पुरानी स्थिति में है, जिसमें वह आम दिनों में रहता है। सुविधाविहीन शौचालय, जलविहीन नल, पुस्तकविहीन लाइब्रेरी और धूल फांकी एंबुलेंस के अलावा

विकास के तमाम दावों को मुंह चिढ़ाते गांव के लोग उलिहातू की हकीकत को सामने लाते हैं। उलिहातू की इसी हकीकत को अपने पाठकों के सामने लाने के लिए आजाद सिपाही की टीम ने वहां का दौरा किया और पीएम मोदी के दौरे की तैयारियों का जायजा लेने के साथ वहां के निवासियों से बातचीत भी की। क्या है उलिहातू की हकीकत और कैसी है तैयारी, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

भारत ही नहीं, दुनिया भर के आदिवासियों के सबसे आदरणीय भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली खूंटी जिले का उलिहातू एक बार फिर चर्चा का केंद्र बना हुआ है। 15 नवंबर को भगवान बिरसा की जयंती मनायी जाती है। इस दिन को जनजाति गौरव दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। पीएम मोदी की पहल पर जनजातीय समाज के सम्मान में इस दिन को गौरव के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन झारखंड का स्थापना दिवस भी है। पीएम मोदी 15 नवंबर को भगवान बिरसा की जन्मस्थली उलिहातू आने वाले हैं। इसी लिए उलिहातू चर्चा के केंद्र में है। फिलहाल उलिहातू में सरकारी अफसरों, मीडियाकर्मीयों, नेताओं और बड़ी-बड़ी गाड़ियों का तांता लगा हुआ है। उलिहातू को सजाया जा रहा है।

### हर तरफ रंग-रोगन का काम चालू

हर तरफ रंग-रोगन का काम चालू है। ऐसा लग रहा है कि यह सब दिवाली के लिए किया जा रहा है, क्योंकि गांव वालों के घरों को भी रंग दिया जा रहा है। लेकिन सच्चाई यह नहीं है। सच्चाई यही है कि पीएम मोदी उलिहातू आनेवाले हैं। इसलिए उलिहातू से जुड़ी सड़कों की मरम्मत की जा रही है। वॉल पेंटिंग का काम जोंरों पर है। सड़क किनारे घरों को सफेद रंग से पेंट किया जा रहा है। शौचालयों को चमकाया जा रहा है। उसकी दीवारों पर नये-नये पेंट और चित्रकारी बता रही है कि कोई वीवीआईपी आने वाला है। एक तरफ तो उलिहातू की सड़कें और दीवारें तो चमक रही हैं, उलिहातू में प्रवेश करते ही दीवारों पर वॉल पेंटिंग से उकेरे गये शब्द आपका हार्दिक स्वागत भी करते हैं, लेकिन गांव वालों में उत्साह नजर नहीं आता है। शांति ऐसी कि जेनेरेटर का शोर दूर से ही सुनाई पड़ रहा था। दो जेनेरेटर के शोर से पता चल रहा था कि गांव में बिजली कटी हुई है।

### जल से ही है जीवन हमारा, जल बचाओ यह हम सबका नारा, लेकिन कहां है जल

वैसे शौचालय के सामने लगे नल में पानी भी नहीं आ रहा था। नल नया भी लग रहा था, लेकिन शौचालय और वहां बने घरों की दीवारों पर साफ लिखा था, जल से ही है जीवन हमारा, जल बचाओ

यह हम सबका नारा। आओ बचायें वर्षा जल और सजायें अपना कल। अब जब जल ही नहीं रहेगा, तो कौन सा जल बचाया जाये। हां जन्मस्थली के बगल में एक पानी की टंकी लगी हुई थी, उसमें पानी भरा था, लेकिन उस पानी का इस्तेमाल बगल में बन रहे घर में किया जा रहा था। सीमेंट मसाला बनाने के लिए। लेबर द्वारा हाथ-पांव धोने के लिए इस्तेमाल में था। अब बारी थी बिरसा मुंडा की जन्मस्थली के भीतर जाने की। कैपस के भीतर पेंटिंग का काम चालू था। दीवारों पर बहुत ही खूबसूरत सांस्कृतिक पेंटिंग उकेरी गयी थी। बिरसा मुंडा के गर्भगृह के सामने उनके द्वारा उल्लुगुलान के दिनों की तस्वीर को पेंट किया जा रहा था। गर्भगृह आवास में मार्बल उखाड़ कर नये मार्बल लगाये जा रहे थे। बिरसा मुंडा जन्मस्थली के ठीक सामने एक लाइब्रेरी दिखी। लाइब्रेरी इसलिए, क्योंकि उस एक मंजिला भवन के सामने लिखा था बिरसा मुंडा लाइब्रेरी। पेंटिंग का काम चल रहा है। सोचा अंदर चला जाये, लेकिन अंदर जाकर देखा, तो एक भी पुस्तक दिखाई नहीं पड़ी। सोचा कि शायद पेंटिंग के चलते पुस्तकों को कहीं और रख दिया गया होगा। लेकिन गांव वालों से पता चला कि यहां तो किताबें ही नहीं कोई एनजीओ देखा था पहले, भाग गया है अब। ठीक लाइब्रेरी के बगल में एक टाटा सूमो गाड़ी खड़ी दिखी। एंबुलेंस लिखा हुआ था। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि गाड़ी महीनों से चली नहीं होगी। धूल फांकी रही थी कहा जा सकता है। शायद उस गांव में लोग स्वस्थ होंगे। जरूरत नहीं पड़ती होगी। लेकिन एंबुलेंस खड़ी थी, यह अच्छा है। वहीं सड़क से सटे एम्बेस्सडर शीट से एक घर बना हुआ था। उस घर की गरीबी को सफेद रंग के पेंट से ढका जा रहा था। लेकिन उस घर के सामने बैठे लोगों की दशा साफ बता रही थी कि गरीबी का रंग जरा मैला ही होता है। लेकिन चलिए इसी बहाने घर का कायाकल्प तो हुआ।

### केंद्र सरकार की सफल योजना का प्रमाण मिला

भले उस घर की बुजुर्ग महिलाओं को झारखंड के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री का नाम पता न हो, लेकिन यह पता था कि देश के पीएम आ रहे हैं। यह पता था कि उन्हें फ्री राशन मिलता है। केंद्र सरकार की यह योजना इतनी सफल है, इससे यह पता चलता है। न जाने कितने गरीबों का पेट इस योजना से भर रहा है। आज कम से कम देश भूखा नहीं है। गांव वालों से बातचीत करके के क्रम में पता चला कि उन्हें पीएम मोदी से बहुत कुछ कहना है। लेकिन उन्हें यह भी लगता है कि उनकी यह अभिलाषा शायद पूरी नहीं होगी, क्योंकि उनका कहना था कि पिछले वर्ष जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उलिहातू आयी थीं, तब गामों से मिले बिना ही चली गयीं। इससे गामों में नाराजगी आज भी है। इससे यह भी पता चलता है कि आदिवासी भूलता नहीं है। उसे सब याद रहता है। चूँकि वे मन के सच्चे होते हैं, बोल देते हैं, जो दिल में



होता है, वही जुवान पर होता है। बातचीत के क्रम में यह भी बात साफ हुई कि पीएम मोदी से उन्हें दिक्कत नहीं है। पिछली सरकार से उन्हें परेशानी थी। बातचीत के क्रम में यह समझने को मिला कि अंदर ही अंदर प्रधानमंत्री के आगमन का विरोध भी किया जा रहा है। कुछ लोग घुड़ियां पिला रहे हैं। बाताओं में आ रहे हैं। लेकिन वहीं कुछ लोग पीएम का आना विकास के नये अवसर के रूप में देख रहे हैं। बातचीत से प्रतीत हुआ कि प्रधानमंत्री अगर गामों को समय देते हैं, तो झारखंड में जूझ रही भाजपा की एक बड़ी समस्या का हल निकल सकता है। एक मैसेज जायेगा कि पीएम उनकी बातों को सुनने आये हैं। उनकी तकलीफों को समझने आये हैं, न कि सिर्फ माला पहने और भगवान बिरसा को माला पहनाने आये हैं। उलिहातू को देखकर यही लगा कि अभी भी सरकार उस गांव को गोद नहीं ले पायी है। जब कोई वीआईपी आने वाला होता है, तो बड़े-बड़े सरकारी अधिकारी लावलश्कर के साथ वहां दिखाई देते हैं। कुछ समय बिताते हैं। दिशा-निर्देश देते हैं। ऐसा लगता है कि कोई इवेंट है। फिर चले जाते हैं। ये लोग ऊपरी सजावट बहुत अच्छे से करवाते हैं, इसमें कोई दो राय नहीं। अभी उलिहातू का पूरा नजारा फिल्मी बना

हुआ है। किसी का भी घर उठाकर रंग दो, सड़क के गड्ढों को भर दो, आकर्षक वॉल पेंटिंग करवा दो, सड़क किनारे झाड़ियां काट दो, कहीं भी किसी का भी शौचालय का निर्माण करवा दो, उस पर कलाकारी करवा दो, रंग पोत दो, लेकिन शौचालय खोलने से पता चलता है कि पैर और टाइल्स पानी के लिए अरसे से तरस रहे हैं। ऐसा लगता है कि कोई जाता ही नहीं है। अभी फिलहाल सरकारी अधिकारियों जैसे डीसी, डीडीसी, एसडीएम, बीडीओ, एसपी सब उलिहातू पहुंच रहे हैं। एक दूकान वाले की हो गयी चांदी, खुब बिक रहा आलू चॉप, धुस्का और गुलगुला उलिहातू फिलहाल कुछ लोगों के लिए पिकनिक स्पॉट बना हुआ है। और उसका पूरा फायदा ठीक जन्मस्थली के बगल में स्थित खाने-पीने की दूकान को मिल रहा है। मूढ़ी, चना, आलू चॉप, धुस्का, गुलगुला सब बिक रहा है। दूकान का मालिक पूरा खुश है। लेकिन आलू चॉप में नमक कम डाल रहा है और गुलगुला में चीनी कम। जिसकी तारीफ बीपी और शुगर वाले मरीज करते नहीं थक रहे।



### बिरसा मुंडा के वंशज सुखराम मुंडा की पत्नी लखमणी मुंडा से बातचीत

हमने पेड़ के नीचे बैठी बिरसा मुंडा के वंशज सुखराम मुंडा की पत्नी लखमणी मुंडा से बातचीत की। वह मुंडारी भाषा समझती हैं। हिंदी नहीं आती है। मुंडारी और हिंदी भाषा के एक जानकार को साथ में बिठाया। फिर उनसे कुछ सवाल पूछा। हमने पूछा, आपको पता है कि कौन आने वाला है। वह चुप रही। फिर सवाल किया कि क्या आपको पता है प्रधानमंत्री आनेवाले हैं। उन्होंने जवाब दिया कि हां, यह पता है कि प्रधानमंत्री आने वाले हैं। फिर सवाल किया कि क्या आपको पीएम का नाम पता है। उनका जवाब था, नहीं। फिर सवाल किया कि क्या आपको झारखंड के सीएम का नाम पता है। उनका जवाब था, नहीं। फिर सवाल किया कि क्या आप लोगों को प्री में राशन मिलता है। उनका जवाब था, हां मिलता है। यह जवाब सुकून देने वाला था। यह जवाब किसी सरकारी योजना की सफलता का प्रमाण था। आज देश में कोई भूखा पेट नहीं सो रहा है, इससे यह सिद्ध होता है। फिर सवाल किया कि आप लोगों के घरों को रंगा जा रहा है, यह तो फायदा हो गया न, तो उनका जवाब था, पता नहीं। उनकी और ग्रामीणों की एक बात को लेकर शिकायत थी कि वे लोग 15 नवंबर के दिन भगवान बिरसा मुंडा की पूजा करते हैं, लेकिन जब-जब



सरकारी प्रोग्राम होता है, उनको पूजा-पाठ करने नहीं दिया जाता है या फिर देर हो जाती है। वे खड़े ही रह जाते हैं। गांव वालों से बातचीत के क्रम में पता चला कि उलिहातू में कुछ शहीद आवास भी बने हैं, जो दूसरे परिवार के लोगों को मिले हैं। गांववाले पीएम के आगमन को लेकर फिलहाल बहुत उत्साहित नहीं दिखे। उन्हें सरकारी अधिकारियों के आने-जाने से भी कोई ज्यादा अपेक्षा नहीं दिखी। उनका कहना था कि यह तो हर साल का लगा रहता है। या जब भी यहां कोई सरकारी प्रोग्राम होता है, लोग आते हैं, बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन होता कुछ नहीं है। कभी-कभी तो मन करता है कि नेता लोग को रोक के पूछें कि भाई इतना झूठ कैसे बोल लेते हो। बड़ा सरकारी अधिकारी से पूछ लिया सकते, उनके साथ बहुत पुलिस वाला सब रहता है। मीडिया वाला भी प्रोग्राम के समय ही दिखता है, बातचीत करता है। पेपर में छपता भी है लेकिन होता कुछ नहीं है। वैसे गांव वालों का बोलना सच भी है। मैं भी कई बार उलिहातू गया, लेकिन उलिहातू का विकास जैसा होना चाहिए था, वैसा दिखता नहीं।





















# एनटीपीसी भुवनेश्वर ने मनाया 49वां स्थापना दिवस

**आजाद सिपाही संवाददाता भुवनेश्वर।** एनटीपीसी लिमिटेड का 49वां स्थापना दिवस एनटीपीसी ईआर-दो मुख्यालय भुवनेश्वर में मनाया गया। स्थापना दिवस के इस अवसर पर एनटीपीसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह ने नयी दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कर्मचारियों को संबोधित करते हुए बिजली उत्पादन से संबंधित सभी गतिविधियों में कुशल और टिकाऊ संचालन हासिल करने पर जोर दिया। गुरदीप सिंह ने संगठन की भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की। एनटीपीसी ईआर-दो मुख्यालय के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक पार्थ मजुमदार ने एनटीपीसी ध्वज फहराया और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए, स्थापना से लेकर वर्तमान तक संगठन के इतिहास और विकास पर प्रकाश डाला। अपने



संबोधन में उन्होंने पूर्वी क्षेत्र दो के अधिकार क्षेत्र के तहत पावर स्टेशनों में परिचालन उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। पार्थ मजुमदार ने स्टेशनों और क्षेत्र को कई सम्मान प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास करने के लिए कर्मचारियों की सराहना की। मजुमदार ने कहा कि एनटीपीसी के 'लोग' हमारे देश को सशक्त बनाने और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले प्रमुख प्रेरक हैं। 1975 में एक विनाश शुरूआत के साथ, एनटीपीसी अब देश की सबसे

बड़ी और सबसे प्रशंसित ऊर्जा कंपनी है। उन्होंने आगे कहा कि यह वास्तव में गर्व की बात है कि कंपनी 73,874 मेगावाट (जेवी / सहायक कंपनियों के माध्यम से 15,986 मेगावाट सहित) की स्थापित क्षमता के साथ भारत की सबसे बड़ी एकीकृत ऊर्जा कंपनी है, जिसमें 51 एनटीपीसी स्टेशन (27 कोयला आधारित, 7 गैस आधारित) शामिल हैं। 11 हाइड्रो, 1 लघु हाइड्रो, और 15 सौर पीवी) और 39 संयुक्त उद्यम/सहायक स्टेशन (9 कोयला आधारित, 4



गैस आधारित, 8 हाइड्रो, 1 लघु हाइड्रो, 3 पवन) और 14 सौर पीवी) है। एनटीपीसी आरईएल एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ने गुजरात में दयापार पवन परियोजना में 50 मेगावाट की अपनी पहली पवन ऊर्जा परियोजना के वाणिज्यिक संचालन की घोषणा की है। समग्र कल्याण को प्रोत्साहित करने और एनटीपीसी कर्मचारियों, पूर्व कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य और खुशहाली को बढ़ाने के उद्देश्य से,



ईआर दो मुख्यालय में फिजियोथेरेपी और वेलनेस सेंटर की स्थापना की गयी है, जिसका उद्घाटन पूर्वी क्षेत्र-दो मुख्यालय के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक पार्थ मजुमदार ने किया।

## जगमोहन मरम्मत मामले में हाइकोर्ट ने जतायी नाराजगी

**आजाद सिपाही संवाददाता भुवनेश्वर।** कटक जगमोहन मरम्मत मामले में हाईकोर्ट ने एएसआई (अरक) डेटा को लेकर असंतोष जताया है। साथ ही सानी कागजात जमा करने का भी आदेश दिया है। वहीं, मामले में सुनवाई की अगली तारीख 15 तारीख तय की गयी है। हाईकोर्ट ने 2017 से लेकर अब तक की सारी जानकारी मांगी। लेकिन एएसआई द्वारा दी गयी जानकारी संतोषजनक नहीं थी। इसलिए हाई



कोर्ट ने एएसआई की ओर से दी गयी जानकारी पर असंतोष जताया है। एएसआई को अगले 15 तारीख तक सानी सत्यपाठ दाखल करने का आदेश दिया है।

## 22 से धरना, एक से बसों की हड़ताल भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)

प्राइवेट बस आनर्स एसोसिएशन ने नेतावनी दी है कि अगर सरकार उनकी मांगें नहीं मानती है तो 1 दिसंबर से राज्य की सभी बसें हड़ताल पर चली जाएंगी। सबसे पहले बस मालिक 22 नवंबर से विधानसभा के सामने धरना देंगे। अगर सरकार ने उनकी मांगें नहीं सुनी तो आंदोलन को बढ़ाया जायेगा और बस सेवाएं पूरी तरह से बंद कर दी जाएंगी। इसकी जानकारी प्राइवेट बस आनर्स एसोसिएशन ने दी। बस हड़ताल से पहले 1000 से अधिक बस मालिकों ने अपनी मांगों को पूरा करने के लिए 22 तारीख को विधानसभा के सामने धरना पर जाने का फैसला किया है।

**DAS MUSICAL STORE**  
All Musical Instrument available here  
Main Road, Ranchi Ph. : 0651-2201778  
Mob. : 9835164815

**Alpha Institute of Computer Education**  
FREE FRANCHISE Just call us : 9835502908  
Franchise Benefit:  
• All Computer courses  
• Vocational courses  
• Authorization Letter  
• Web Login ID & Password  
• Study Material Support  
• Branded Name  
• PDF Certificate in 24 Hrs  
• Hard Copy Certificate & Mark sheet  
• Students Placement Support  
• Marketing Support  
• Online & Offline Certificate Verification  
• Yearly Career Guidance - Seminar in your city  
• Paper and Media Support

**BABU DINESH SINGH UNIVERSITY**  
(Run & Managed by Vananchal Educational & Welfare Trust)  
GARHWA, JHARKHAND, 822114  
Session 2023-24  
Admission Going On Limited Seats are vacant HURRY UP  
B.Pharm. D.Pharm. NEET Qualified only BHMS B.D.S. / M.D.S. All Seven speciality  
Eligibility: 10+2 or equivalent with PCB/PCM & Student must have attained age of 17 Years  
Admission also open for B.Ed, D.El.Ed, B.Sc MLT, Paramedical  
https://www.vananchaltrust.org/ | vewt.garhwa@rediffmail.com  
96614 62506 / 62062 97213 / 87895 54090

**BALAJEE UDYOG**  
The Mark of Excellence  
Plot No. 787, OLD H.B. ROAD, OPP. SADHU MAIDAN, KOKAR, RANCHI  
Mob. : 9934207055 / 93869-09098 / 0651-3554978 • Email : balajee\_udyog@rediffmail.com

**बोरिंग के लिए संपर्क करे**  
जल ही जीवन  
993106883  
9113754813  
रांची के अंदर कहीं भी अच्छे रेट में  
Contact for : Deep Boring, 405" 6" 8" Dia All Motor & Pump Fitting, Building Material

## एनटीपीसी बोंगाइगांव ने 49वां स्थापना दिवस मनाया

**आजाद सिपाही संवाददाता भुवनेश्वर।** एनटीपीसी बोंगाइगांव ने अपने प्रशासनिक भवन परिसर में उत्साह के साथ अपना 49वां स्थापना दिवस मनाया। एनटीपीसी के सीजीएम करुणाकर दास ने एनटीपीसी ध्वज फहराया और केक काटने के साथ गुब्बारा छोड़ा गया। इस कार्यक्रम में के.सी. मुर्लीधरन जीएम (ओ एंड एम) संजय पांडे जीएम (एफजीडी) इंद्रुी एस रेड्डी जीएम (रखरखाव) आशुतोष विश्वास जीएम (ऑपरेशन) जी.एम. थांगजोम कमांडेंट सीआईएसएफ, एमएस.कुंदरारी सहायक कमांडेंट सीआईएसएफ और कई विभागों के युनिटों एसीएसएफों और बर्दवी सिखला लेडीज क्लब के प्रतिनिधि उपस्थित थे। करुणाकर दास ने संयुक्त उद्यमों और सहायक कंपनियों के माध्यम से उत्पन्न बिजली सहित 73,874 मेगावाट की वर्तमान स्थापित क्षमता के साथ एनटीपीसी की प्रभावशाली



वृद्धि और विरासत पर प्रकाश डाला। एनटीपीसी के पास एक विविध ऊर्जा पोर्टफोलियो है, जिसने वित्त वर्ष 22-23 में 5026.88 एमयू की उच्च-शक्ति उत्पादन और 76.51% का प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) हासिल किया है, जो पिछले वर्ष की पीढ़ी को पार कर गया है। स्टेशन ने अप्रैल '22 में उच्चतम मासिक उत्पादन भी दर्ज किया, जो चरम मांग को पूरा करने और ग्रिड विश्वसनीयता सुनिश्चित करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन करता है। कार्यक्रम के दौरान एनटीपीसी

इस साल के कर्मचारी के रूप में सम्मानित किया गया। भारत की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने 7 नवंबर, 1975 को अपनी स्थापना के बाद से देश के हर हिस्से में बिजली उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह संगठन पिछले 48 वर्षों में भारत में बिजली क्षेत्र का प्रतीक बन गया है। जैसे ही भारत में बिजली क्षेत्र विकास और परिवर्तन के एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है, एनटीपीसी प्रस्तुत महत्वपूर्ण अवसरों का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। कंपनी ने अपने ऊर्जा कॉम्पैक्ट लक्ष्यों की घोषणा की है, जो 2032 तक 60 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने की अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है, जो टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल ऊर्जा उत्पादन के प्रति अपने समर्पण को और मजबूत करता है।

## आग की घटनाओं को रोकने के लिए खोरधा रोड मंडल ने चलाया जागरूकता कार्यक्रम

**आजाद सिपाही संवाददाता भुवनेश्वर।** जैसे-जैसे दिवाली का त्यौहार नजदीक आ रहा है, खोरधा रोड मंडल ने यात्रियों की सुरक्षा के लिए ट्रेनों में पटाखे, गैस सिलेंडर, एफिंड, पेट्रोल, मिट्टी का तेल आदि जैसी ज्वलनशील सामग्री ले जाने पर कड़ी निगरानी रखने के लिए विशेष सुरक्षा अभियान शुरू किया है। इस अभियान में, एसएलआर में लोड करने से पहले, जीआरपी, आरपीएफ और नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के समन्वय से रेलवे अधिकारियों द्वारा सामान और विस्फोटक सामग्री संबंधी पार्सल वैन की याहचिह्नक और औचक जांच शामिल है। ट्रेनों और स्टेशनों पर पर्याप्त अग्निशमक यंत्रों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है। पावर कारों, पेंट्री कारों और कोचों में दिए गए धुएँ और आग का पता लगाने वाले अलार्म सिस्टम की कार्यप्रणाली की जांच

की जा रही है। ट्रेन पर मौजूद कर्मचारियों को परामर्श दिया गया है और अग्निशमक यंत्रों के संचालन के बारे में समझाया गया है। इसके अलावा, खोरधा रोड मंडल में भी जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें यात्रियों से ट्रेनों में यात्रा करते समय सावधान रहने तथा ज्वलनशील या विस्फोटक वस्तुएं न ले जाने और अपने सह-यात्रियों को भी उक्त सामान न ले जाने देने का आग्रह किया जा रहा है। यात्री, ट्रेनों में पटाखे ले जाने से संबंधित किसी भी घटना की रिपोर्ट करने के लिए हेल्प लाइन नंबर 139 पर कॉल कर सकते हैं। एच.एस.बाजवा, मंडल रेल प्रबंधक, खोरधा रोड ने सभी अधिकारियों को ट्रेनों और स्टेशनों पर ज्वलनशील सामग्री ले जाने पर कड़ी निगरानी रखने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करने की सलाह दी है।



**रत्न विक्रेता जय माता दी रत्न विक्रेता**  
**ज्योतिष ग्रहरत्न केन्द्र**  
ज्योतिष शास्त्र • वास्तु शास्त्र • हस्त शास्त्र • अंक शास्त्र  
पंडित राशि कंत मिश्रा  
पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, ऑपोजिट-भूतपूर्व वारगेन बाजार, रांची  
फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761

**PERFECT AQUA**  
टॉप क्वालिटी वाटर प्लांट सेटअप, शुद्ध पानी के साथ होगा फायदा जबरदस्त  
Call now  
9431701163, 8340320390  
Perfect Service  
H.B. ROAD KOKAR RANCHI, JHARKHAND

**ऑल इंडिया खुला चैलेज**  
2 घंटे में सुनिश्चित उपाय  
तांत्रिक मास्टर किंग स्वान का खुला ऐलान  
कारोबार प्यार में परेशानी, दुश्मन से छुटकारा, गृह क्लेश पति-पत्नी के झगड़े, लव मैरिज, प्रॉपर्टी, कोर्ट, केस, वशीकरण, जादू - टोना, किया कराया  
A TO Z समस्या का समाधान पर तेज बाबा मुबारक स्वान  
हमारे किए हुए काम को कोई ज्योतिष, पंडित या मौलवी काट दे तो उसे मुंह मांगा इनाम।  
9311266125  
8130817043  
काम न होने पर पैसे वापस  
नियर घंटाघर, मास्टर कैटिन के सामने।